Companial (Sepecial Provision) Act, 1985.

Closure of Handloom Industries

6567. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) the number of Handloom industries dosed down in the country and Gujarat, in particular, State-wise during the last two years;

(b) whether the State Government have requested for financial assistance for providing loans to handloom weavers to revive those industries; and

(c) if so, the details of the assistance provided?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) According to the State Government there is no permanent closure as such of any handloom units in the Country during the last two years. However, only the Government of Bihar has reported closure of 11000 handloom units in the last two years due to rapid increase in prices of hank yarn etc., According to the Government of Gujarat, no handloom industrial cooperative society was closed in that State during the last two years. (1992-93 and 1993-94).

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

Export of Handloom and Handicraft Products from Gujarat

6568. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) the value of handloom and handicraft products exported from Gujarat, during each of the three years, particularly from Saurashtra region;

(b) whether there is a vast scope for increasing the export of these items from that State; and

(c) if so, the measures taken in this regard during 1994-95?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) State-wise data on exports of handloom and handicraft items are not maintained.

(b) yes Sir. There is some scope for increasing exports of Gujarat's handloom and handicraft goods, particularly Zari, Tie & Dye and Hand-printed textiles etc.

(c) Government have been taking a number of steps to boost exports of handloom and handicraft products from the country, including Gujarat, such as sponsoring Buyer Seller Meets, Participation in fairs in major markets, releasing advertisements in foreign trade magazines, product development and quality upgradation through appropriate training programmes etc.

गुजरात से कपास का निर्यात

6569. **श्री अनन्तराय देवशंकर देवः** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान, अलग-अलग, गुजरात से कितनी-कितनी मात्रा में कपास का निर्यात किया गया;

(ख) क्या सरकार ने कपास के निर्यात हेतु नए बाजारों का पता लगाने हेतु कोई कदम उठाए हैं; और

(ग) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी): (क) पिछले तीन वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान गुजरात से निर्यात की गई कपास की मात्रा इस प्रकार है:—

मात्रा लाख गांठों में

वर्ष	गुजरात परिसंघ	सी सी आई	निजी व्यापार	कुल
1990-91	0.40	0.1170	0.3209	0.8387
1991-92	—	—	—	—
1992-93	0.671	0.583	—	1.254
1993-94	—	0.0305	—	0.0305

(ख) तथा (ग) सरकार का प्रयास यार्न, फैब्रिक्स, मेड-अप्स तथा सिले सिलाए कपड़ों जैसी मूल्य वर्द्धित वस्तुओं का निर्यात बढ़ाने का रहा है। निर्यात योग्य फालतू कपास को रिलीज करते समय सरकार का उद्देश्य, घरेलू बाजार में कीमतों का स्थिरीकरण, कपास उपजकर्ताओं को लाभप्रद मूल्यों का प्रावधान तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारत की कपास के एक स्थायी आपूर्तिकर्ता के रूप में उपस्थिति बनाए रखना, रहा है। निर्यात कोटाओं के आबंटिती अर्थात सी सी आई, राज्य तथा निजी व्यापारी उन्हें आबंटित मात्राओं को निर्यात करने के लिए बाजार खोज रहे हैं।

Liquidation of Unviable Textile Units in Gujarat

6570. SHRI CHIMANBHAI MEHTA: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether NRF Empowered Committee handling VRS and redeployment scheme have committed the amount of Rs. 168 crores to be released to Gujarat for dismantling 14 unviable textile units under liquidations and for payment of statutory dues to pay 40,000 jobless workers and subsequently reimburse VRS fund spent on statutory dues to the workers by selling land, assets, etc. of unviable textile units;

(b) what are the major points in the proposal submitted by TLA to the NRF Empowered Committee with reliquidation of 14 closed textile mills:

(c) whether this matter is pending before government for long; and

(d) if so, by when the matter is likely to be disposed of?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) to (d) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

कपास के मूल्य

6571. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गत महीनों के दौरान देश में कपास के मूल्यों में हुई भारी वृद्धि को देखते हुए कपास के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया था;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि यह प्रतिबंध कुछ महीनों के पश्चात हटा लिया गया था;

(ग) यदि हां, तो प्रतिबंध कौन से महीने में लगाया गया और कौन से महीने में हटाया गया; और

(घ) जनवरी, फरवरी, मार्च और अप्रैल, 1994 के महीनों के दौरान कपास के मूल्य क्रमशः क्या-क्या थे?

वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी): (क) से (ग) कपास तथा सूती यार्न की कीमतों में आकस्मिक उछाल के परिणामस्वरूप सरकार ने 18-1-94 से अपरिष्कृत कपास के और आगे निर्यात को स्थगित कर दिया। सरकार ने अपरिष्कृत कपास के लदान न की गई मात्राओं, जोकि 9-2-94 से निर्यात के लिए संविदाकृत थीं, को आस्थगित कर दिया। तथापि संविदाकृत मात्राओं के निर्यात से प्रतिबंध 31-3-94 से उठा लिया गया।

(घ) एक विवरण-पत्र संलग्न है।